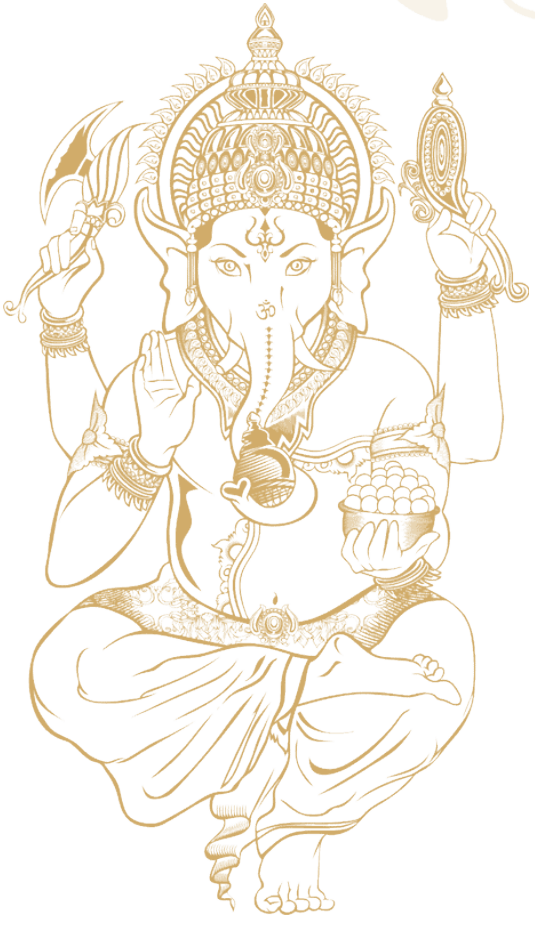

Suryansh Garg

Radhika Mangal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121417706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/07/1999	जन्म तिथि	29/07/1998
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 15:15:00	जन्म समय	09:43:00 घंटे
घटी 24:08:42	जन्म समय(घटी)	10:05:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Rohtak
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:31	सूर्योदय	05:42:29
19:18:59	सूर्यास्त	19:16:54
23:50:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 6मा 10दि		07:41:58	वृश्चि	लग्न	कन्या	03:05:14	चन्द्र 5वर्ष 0मा 12दि	
गुरु		03:24:33	कर्क	सूर्य	कर्क	12:01:47	राहु	
29/01/2019		03:45:24	तुला	चंद्र	कन्या	16:37:15	10/08/2010	
29/01/2035		12:03:13	तुला	मंगल	मिथु	21:24:17	10/08/2028	
गुरु	18/03/2021	13:31:19	कर्क व	बुध	सिंह	04:16:34	राहु	23/04/2013
शनि	29/09/2023	09:07:21	मेष	गुरु व	मीन	04:01:20	गुरु	16/09/2015
बुध	04/01/2026	09:35:31	सिंह	शुक्र	मिथु	17:40:40	शनि	23/07/2018
केतु	11/12/2026	21:55:16	मेष	शनि	मेष	09:31:27	बुध	09/02/2021
शुक्र	11/08/2029	19:13:56	कर्क व	राहु	सिंह	07:50:00	केतु	27/02/2022
सूर्य	30/05/2030	19:13:56	मक व	केतु	कुंभ	07:50:00	शुक्र	27/02/2025
चन्द्र	29/09/2031	21:41:05	मक व	हर्ष व	मक	17:08:08	सूर्य	22/01/2026
मंगल	04/09/2032	09:17:25	मक व	नेप व	मक	06:47:34	चन्द्र	23/07/2027
राहु	29/01/2035	14:07:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:32:58	मंगल	10/08/2028

लग्न-चलित

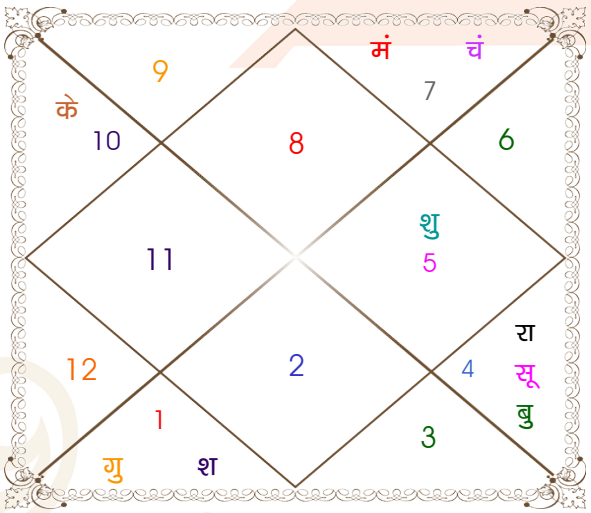

लग्न-चलित

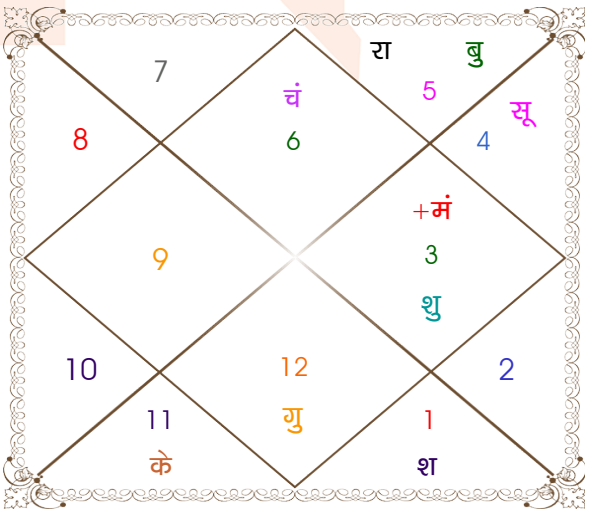

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Suryansh Garg का वर्ग मृग है तथा Radhika Mangal का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suryansh Garg और Radhika Mangal का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Suryansh Garg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Suryansh Garg कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Suryansh Garg कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Radhika Mangal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Radhika Mangal कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Suryansh Garg तथा Radhika Mangal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।